भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या :1372
उत्तर देने की तिथि : 01.07.2019

विश्वविद्यालयों की कमी

1372. श्री गोपाल शेट्टी:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वैश्वीकरण के इस दौर में विश्व की शिक्षा एवं प्रतिभा हेतु देश में विश्वविद्यालयों की संख्या अपर्याप्त है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है;
(ग) देश में आज की तिथि के अनुसार कितने विश्वविद्यालय हैं और वास्तव में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितने विश्वविद्यालयों की आवश्यकता है;
(घ) क्या सरकार द्वारा देश में विश्वविद्यालयों की कमी को पूरा करने के लिए कोई उपाय किए गए हैं/किए जाने का प्रस्ताव है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (ङ): जहां तक वैश्विक रैंकिंग का संबंध है, भारत की 23 संस्थाएं सर्वश्रेष्ठ वैश्विक उच्च शैक्षणिक संस्थानों में क्वाकरेली सिमंड्स (क्यू एस) रैंकिंग में दर्ज की गई जबकि यह संख्या 2018 में 20 थी। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) ने क्यूएस ग्लोबल बेस्ट यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में प्रति संकाय के क्षेत्र में दूसरा स्थान हासिल किया।

विश्वस्तरीय संस्थानों को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार/यूजीसी ने 20 संस्थानों को विश्व स्तर के शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों (सार्वजनिक क्षेत्र से 10 और निजी क्षेत्र से 10) जिन्हें "सर्वोत्कृष्ट संस्थान" कहा जाता है, की स्थापना/उन्नयन के लिए विनियामक दिशानिर्देश प्रदान करने की योजना को मंजूरी दी है। सार्वजनिक संस्थानों के लिए यूजीसी (सर्वोत्कृष्ट संस्थानों के रूप में सरकारी संस्थानों की घोषणा) दिशानिर्देश, 2017 और निजी संस्थानों के लिए (सर्वोत्कृष्ट सम-विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम, 2017 के रूप में विनियामक दिशानिर्देश प्रदान किए हैं।

इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा संस्थानों में बुनियादी ढांचे और शीर्ष अनुसंधान सुविधाओं के लिए वित्त उपलब्ध कराने की दिशा में इसके अलावा, सरकार ने उच्च शिक्षा वित्त एजेंसी (हेफा) का गठन किया है। हेफा स्कूल, उच्चतर और चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को समयबद्ध और परियोजना आधारित वित्त पोषण प्रदान करता है और उपरोक्त श्रेणियों के संस्थानों को वित्त परियोजनाओं लिए वर्ष 2022 तक 1 लाख करोड़ रु के निधियन का लक्ष्य है।

****